स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण निवारण बचाव की पोशाक व अवरोधों का प्रयोग

URBAN HEALTH INITIATIVE
शहरी स्वास्थ्य परियोजना

बचाव की पोशाक व अवरोधों का प्रयोग

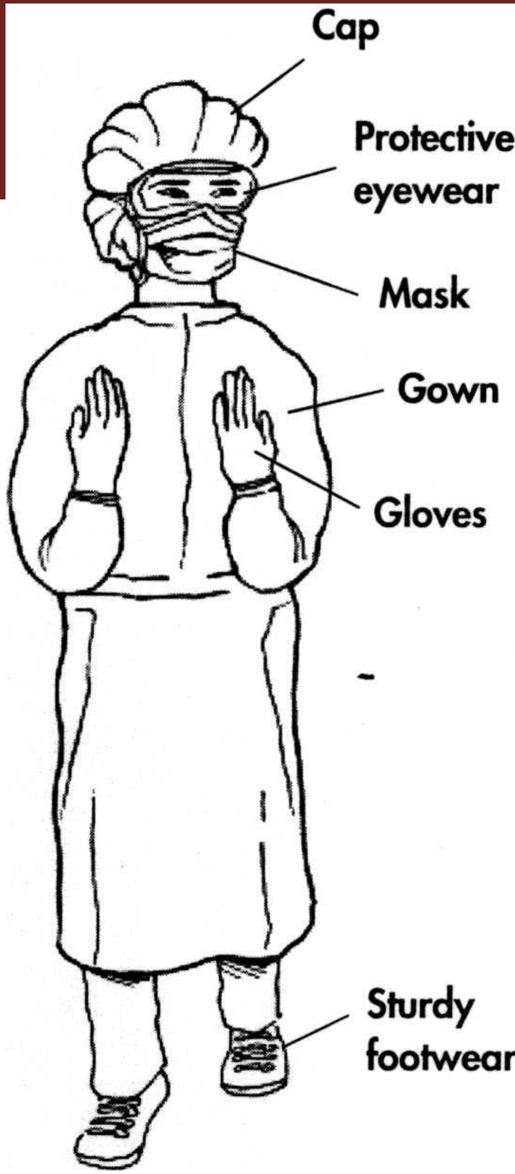

बचाव की पोशाक व अवरोधों का प्रयोग

मास्क तथा आंखो के बचाव के उपकरण

- मास्क तथा आंखों के बचाव के चश्में, सेवा देने वाले के नाक, मुँह तथा आंख की श्लेषेमा (म्यूकोजा) को प्रक्रिया के समय छिटकने वाले रक्त या चारीरिक श्राव से बचाते हैं।
- सेवा कर्मी के नाक व मुँह के कीटाणुओं से लाभार्थी का भी बचाव होता है।
- आँखों के बचाव के चश्में पहनना सुरक्षा कि दृष्टि से आवश्यक होता है।

बचाव की पोशाक व अवरोधों का प्रयोग

गाउन तथा एप्रेन

प्लास्टिक या रबर का एप्रेन तथा गाउन प्रक्रिया के समय सेवा देने वाले की त्वचा पर छिटकने वाले रक्त या अन्य चारीरिक तरल पदार्थ से सेवा देने वाले की रक्षा करता है।

बचाव की पोशाक व अवरोधों का प्रयोग

टोपी

- टोपी स्वास्थ्य कर्मी के बालों के झड़ने या उनसे सूक्ष्म कीटाणुओं के झडने से लाभार्थी का बचाव करती है।

जूते

- चल्य (आपरेशन थिऐटर) कक्ष तथा प्रक्रिया कक्ष के जूते अलग होने चाहिये जिससे बाहर से आने वाले सूक्ष्म कीटाणुओं का प्रवेश कम हो।
- जूते सेवा कर्मी के पैरों को नुकीली वस्तुओं के घाव तथा बिखरे हुए रक्त या चारीरिक तरल पदार्थ से बचाव करते हैं।

बचाव की पोशाक व अवरोधों का प्रयोग दस्ताने

सभी स्वास्थ्य कर्मियों को किसी भी रोगी या अन्य व्यक्ति के रक्त या शारीरिक तरल पदार्थ के सम्पर्क में आने से पहले दस्ताने पहनने चाहिये।

- एक बार प्रयोग में आने वाले जांच के दस्ताने।
- शल्य क्रिया के दस्ताने
- रबर के मोटे दस्ताने – यूटिलिटी दस्ताने (बहुउपयोगी दस्ताने)

स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण निवारण हाथों को धोना

URBAN HEALTH INITIATIVE
शहरी स्वास्थ्य परियोजना

हाथों को ठीक ढंग से धोना

इस साधारण सी क्रिया से रोगों के फैलने व मृत्यु दर को बहुत हद तक कम किया जा सकता है।

हाथ कब–कब धोंएं

- अपने कार्य स्थल पर आने पर,
- लाभार्थी (क्लांइट) को देखने से पहले तथा बाद में,
- दस्ताने पहनने से पहले व उतारने के बाद,
- ऐसे किसी भी औजार या वस्तु को छूने पर जो रक्त या चाारीरिक श्राव से दूड्ढित हो,
- चाौच जाने के बाद,
- कार्य समाप्त कर कार्यस्थल से जाने से पहले

हाथों को ठीक ढंग से धोना

दोनों हथेलियों को अच्छी तरह रगड़कर साफ करें।

दोनों हाथों के पिछले हिस्सों को अच्छी तरह रगड़कर साफ करें।

दोनों हाथों की उँगलियों के बीच अच्छी तरह रगड़कर साफ करें।

दोनों हाथों की उँगलियों के पोरों को अच्छी तरह रगड़कर साफ करें।

दोनों अंगूठों को अच्छी तरह रगड़कर साफ करें।

दोनों कलाइयों को अच्छी तरह रगड़कर साफ करें।

धोने के बाद हाथों को सुखाना

सामूहिक तौलिये
का प्रयोग न करे

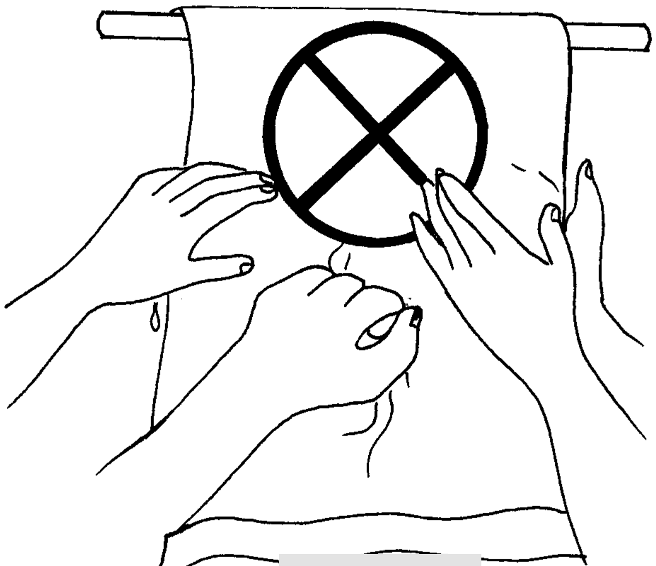

ऐसे स्वच्छ तौलिये से हाथ
सुखाये जिसका
प्रयोग [redacted] आप करते [redacted]

√

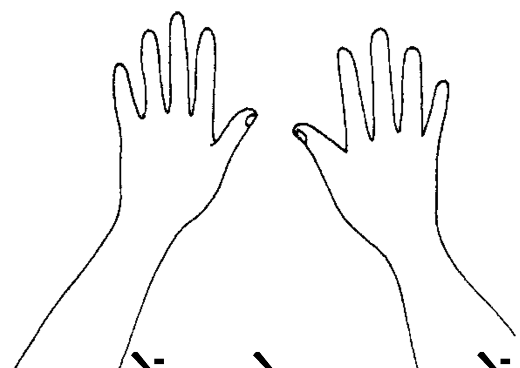

हाथों को हवा में सुखायें

√

शल्य क्रिया के लिये हाथों को धोना

- आस्तीन मोड़कर उंगलियों, हाथों तथा बाहों को धोते समय उन्हें कोहनी से 5 से0मी0 ऊपर रखें।
- घड़ी, अगूंठी व सभी गहने उतार दें।
- नाखून साफ करें।
- एन्टिसेप्टिक साबुन से 3–5 मिनट धोएं।
- उंगली के पोरों से शुरुकर नीचे कोहनियों के ऊपर तक जाये।
- स्टैरिलाइज्ड तौलिये से सुखायें। अपने स्टैराइल गाउन से हाथों को न पोछें।

रसायन से हाथों को धोना

चल्य क्रिया हेतु हाथ धोने की प्रक्रिया कब दोबारा करें?

- प्रत्येक घंटे
- प्रति पांचवी प्रक्रिया
- यदि कोई दूषित वस्तु छू लें
- यदि दस्तानें फट जायें या उनमें छेद हो जाये
- यदि चल्य कक्ष से बाहर जायें

स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण निवारण गृहव्यवस्था (अस्पताल की तैयारी)

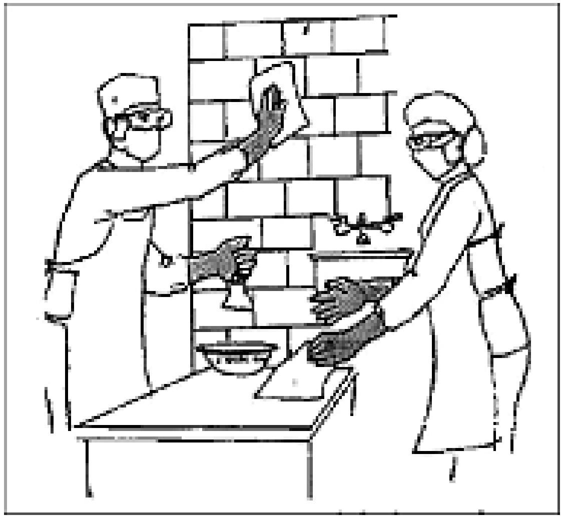

गृहव्यवस्था (अस्पताल की तैयारी)

- शल्य व अन्य कक्षो में रोज सुबह प्रक्रियाओं के बीच में तथा दिन के अन्त में विसंक्रामक घोल से गीले कपडे का पोछा लगायें ।
- फर्श को साफ करने के लिये झाडू के स्थान पर गीला पोछा बेहतर होता है
- सब फर्श तथा अन्य स्थानों को भी विसंक्रामक घोल में भीगे कपडे से पोछे।
- सप्ताह में कम से कम एक बार शल्य व अन्य कक्षो की छतों तथा दीवारों तथा उसमें मौजूद सभी वस्तुओं को विसंक्रामक घोल से पोछे।

URBAN HEALTH INITIATIVE
शहरी स्वास्थ्य परियोजना

गृहव्यवस्था (अस्पताल की तैयारी)

विसंक्रामक (सफाई का) घोल तैयार करना:

- 0.5 प्रतिशत क्लोरीन घोल में थोड़ा डिटरजेन्ट मिलायें जिससे झाग आ जाये।
- हाथ धोने का साबुन प्रयोग न करें।
- शल्य कक्ष तथा उसकी सब जगहे (छत तथा दीवारें) इसी घोल से साफ करें ।
- जब भी सफाई करें, मोटे रबर के दस्ताने व अन्य पोषाक हमेशा पहनें ।

URBAN HEALTH INITIATIVE
शहरी स्वास्थ्य परियोजना

क्या न करें ?

- कमरों में फार्मेल्डिहाइड का धुवां न दें। यह अप्रभावी, अधिक समय लेने वाला तथा मनुष्यों के लिये जहरीला है। 0.5 प्रतिशत क्लोरीन घोल से रगड़कर साफ करना अधिक असरदार तथा कम खर्चीला है।
- झाड़ू न लगायें।
- अल्ट्रावायलेट रेज का प्रयोग अप्रभावी होता है।
- ध्यान रखें : 0.5 प्रतिशत क्लोरीन घोल में अमोनिया, अमोनियम क्लोराइड या फास्फोरिक एसिड न मिलायें इससे जहरीली क्लोरीन गैस निकलती है।

जब भी सफाई करें, मोटे रबर के दस्ताने व अन्य पोषाक हमेशा पहनें ।

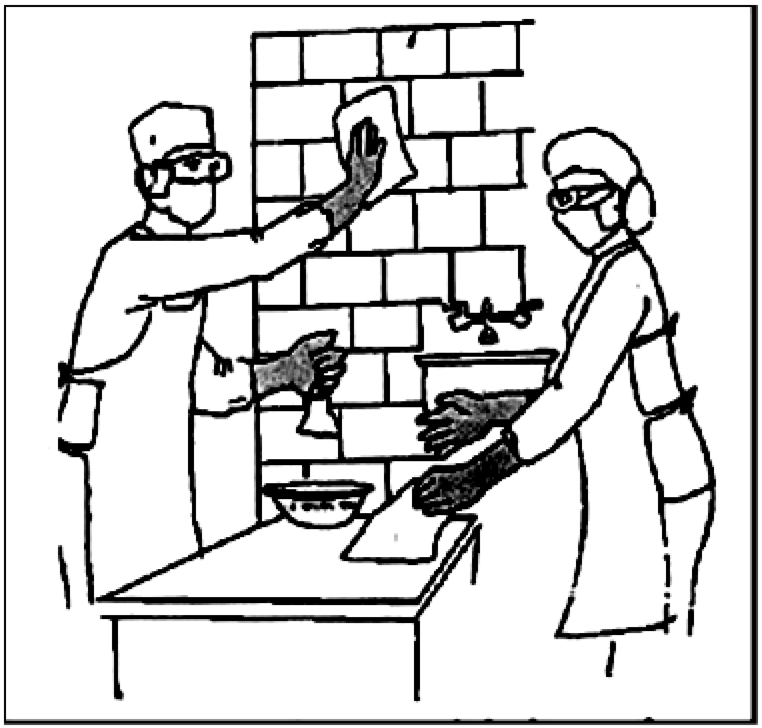

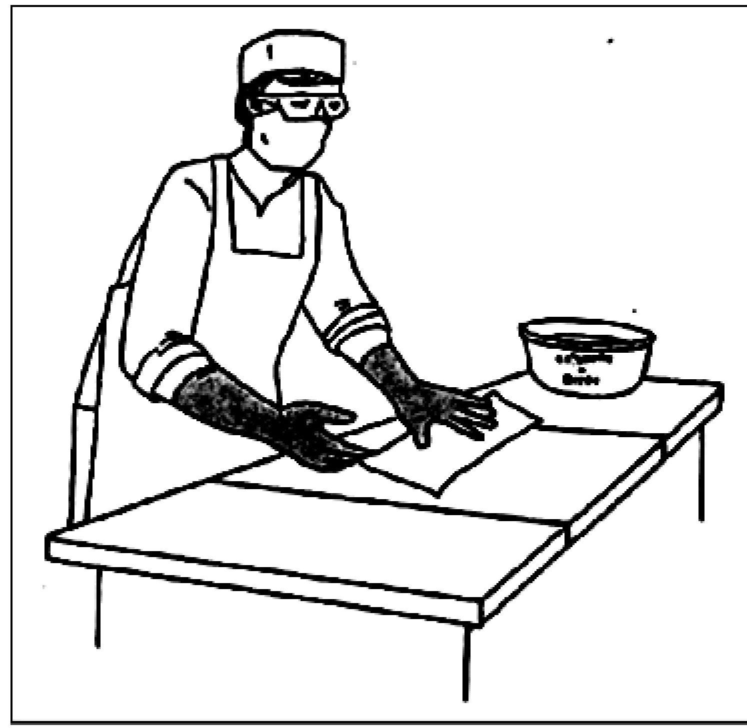

URBAN HEALTH INITIATIVE
शहरी स्वास्थ्य परियोजना

झाड़ू न लगायें, गीले कपडे का पोछा लगायें ।

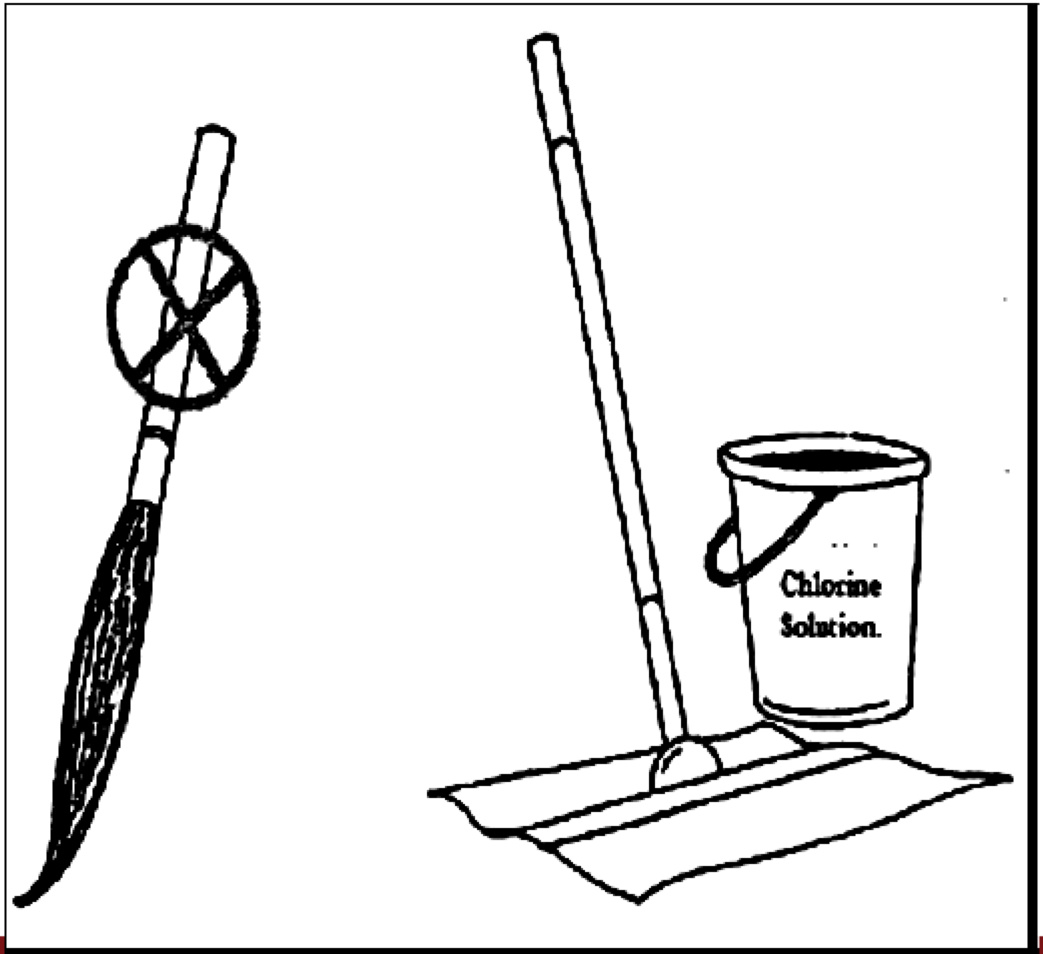

तरल कचरा/ कूडा जैसे रक्त, बिखर जाने पर

- बिखरे तरल कचरे/ कूडे पर ब्लीचिंग पाउडर का घोल डाल दें। 30 मिनट छोड दें।
- उस जगह को कपड़े से साफ करें।
- जिस कपड़े से पोंछा है उसे पीले बिन में डालें।
- अगर सम्भव हो तो उस तरल अपशिष्ट को सोक पिट में बहा दें।

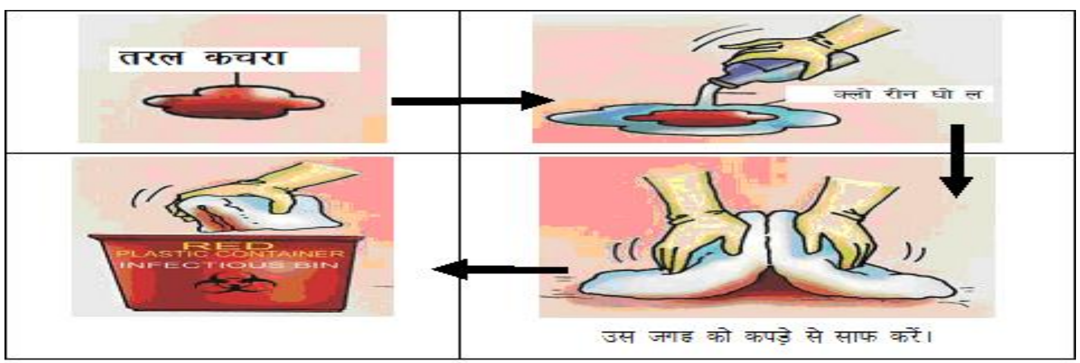

URBAN HEALTH INITIATIVE
शहरी स्वास्थ्य परियोजना

स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण निवारण
एक परिचय

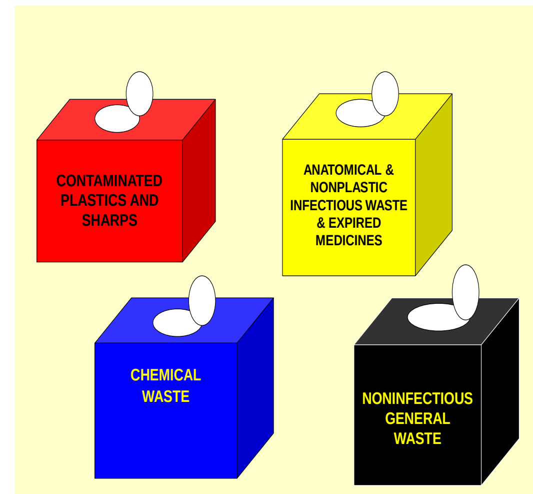

स्वास्थ्य केन्द्रों मे स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण

संक्रामक रोग हर समय परिवर्तन की स्थिति में होते हैं।

एच0आई0वी0, हिपेटाइटिस बी, सी व डी की गम्भीर समस्या, व संक्रमण के बढ़ते हुए खतरे तथा लाइलाज होने के कारण संक्रमण निवारण का केन्द्र बिन्दु बदल गया है।

सावधानियां अपनाने से खतरनाक व लाईलाज बीमारियों के संक्रमण से लाभार्थी, स्वास्थ्य कर्मी तथा पूरे समुदाय को बचाया जा सकता है।

स्वास्थ्य केन्द्रों मे स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण

स्वास्थ्य केन्द्रों मे सेवा लेते समय 48 घन्टे के बाद संक्रमण हो जाये उसे नोजोकोमियल संक्रमण कहते है।

इस संक्रमण का खतरा लाभार्थी, स्वास्थ्य कर्मी तथा पूरे समुदाय को होता है।

ये संक्रमण, लाभार्थी स्वास्थ्य कर्मी तथा पूरे समुदाय के स्वास्थ्य व मृत्युदर पर प्रभाव डालतें है।

स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण निवारण क्यों ?

- प्रकिया के बाद लाभार्थी का संक्रमण से बचाव
- उत्तम, सुरक्षित व गुणवत्तापूर्ण सेवा
- लाभार्थी की अधिक संतुष्टि
- स्वास्थ्य कर्मी का संक्रमण से बचाव
- समुदाय का स्वास्थ्य केन्द्र से फैलने वाले संक्रमण से बचाव
- ढोट कीटाणुओं को फैलने से रोकना
- स्वास्थ्य सेवाओं के खर्च में कमी

खतरा किसको ?

ত लाभार्थी

- स्वास्थ्य कर्मी व स्वास्थ्य केन्द्र के अन्य कर्मचारी

- समुदाय

URBAN HEALTH INITIATIVE
शहरी स्वास्थ्य परियोजना

रोग संक्रमण चक

संक्रमण कारक कीटाणु , वायरस, फफूद

रिजरवायर (कुन्ड)
व्यक्ति, पशु, पानी, धोल, हवा

निर्गम स्थान
रक्त, मल, तरल पदार्थ, श्राव

रोग सचंरण
सर्म्पक, वाहन, हवा, रोग

प्रवेश स्थान
रक्त, म, तरल पदार्थ,

ग्रहण शील समुदाय
क्लाइंट, जनता, सेवाकर्मी

संक्रमण निवारण कुछ सिद्धान्त

प्रत्यक लाभार्थी को सकंमित समझना चाहिय क्योंकि किसी भी लाभार्थी का रक्त तथा ञारीरिक तरल पदार्थ सकंमित हो सकता है तथा उनसे संक्रमण हो सकता है।

मानक सावधानियां प्रत्यक लाभार्थी के साथ बरतनी चाहिएं

URBAN HEALTH INITIATIVE
शहरी स्वास्थ्य परियोजना

एन्टीसेप्टिक

वे रासायनिक पदार्थ हैं जिनका प्रयोग शरीर पर सूक्ष्म कीटाणुओं को कम करने या नष्ट करने के लिये किया जाता है।

ये एन्डोस्पोर को खत्म नही करते।

इनका प्रयोग निर्जीव वस्तुओं जैसे औजार, आपरेशन टेबल आदि पर नही किया जाता।

एन्टीसेप्टिक का प्रयोग

- त्वचा, सर्विक्स व योनि की प्रकिया के लिये तैयारी
- शल्य किया के लिये हाथ धोना।
- विशेष परिस्थितियों में हाथ धोना

विसंक्रामक (डिस्इन्फेक्टेन्ट)

एसे रासायनिक पदार्थ जिनका प्रयोग निर्जीव वस्तुओं जैसे औजार, आपरेशन टेबल आदि से सूक्ष्म कीटाणुओं को कम करने या नष्ट करने के लिय किया जाता है।

इनका प्रयोग शरीर व श्लेष्मा पर नही करना चाहिय।

विसंक्रामक (डिस्इन्फेक्टेन्ट)

विसंक्रामक (डिस्इन्फेक्टेन्ट) दो प्रकार के होतें है

- **उच्च कोटि विसंक्रामकष जैसे ग्लूटरालडिहाइड, क्लोरीन धोल सभी कीटाणु, वायरस, फफूद को समाप्त करने की क्षमता**

- **निम्न कोटि विसंक्रामकष जैसे कार्बोलिक, फिनाइल, लाइसोल अधिकतर कीटाणु, वायरस, फफूद को समाप्त करने की क्षमता पर टी0बी0 के कीटाणु व टिटेनस व गैस गैंगरीन के एन्डोस्पोर पर असर नही।**

मानक सावधानियाँ

- हाथों को ठीक ढंग से धोना
- बचाव की पोशाक व अवरोधों का प्रयोग
- दुर्घटनाओं से बचाव
- विसक्रंमण तथा स्टैरिलाइजेशन प्रक्रियाओं का सही उपयोग
- शल्य व अन्य प्रकिया कक्षो में संक्रमण निवारण
- कचरे कूडे का उचित निस्तारण (फेंकना, दबाना या जलाना)

स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण निवारण विसंक्रमण तथा स्टैरिलाइजेशन विधियों का सही प्रयोग

विसंक्रमण तथा स्टैरिलाइजेशन विधियों का सही प्रयोग

चिकित्सकीय प्रक्रियाओं में लाभार्थियों में संक्रमण (इन्फैक्शन) फैलने को

कम करने के लिये औजारों व उपकरणों का सही रखरखाव व तैयारी

अत्यन्त आवश्यक है।

औजारों तथा अन्य वस्तुओं को तैयार करने के लिए चार चरण हैं :

(1) विसंन्दूषण (डीकन्टेमिनेशन)

(2) सफाई

(3) स्टैरिलाइजेशन /उच्चकोटि विसंक्रमण (एच.एल.डी.)

(4) भन्डारण

औज़ारों तथा अन्य वस्तुओं को तैयार करना

विसंन्दूषण

सफाई

स्टैरिलाइजेशन

उच्चकोटि विसंक्रमण

भन्डारण

URBAN HEALTH INITIATIVE
शहरी स्वास्थ्य परियोजना

चरण 1: विसंन्दूषण (डीकन्टेमिनेशन)

- इस प्रक्रिया से वायरस (एच.आई.वी. हिपेटाइटिप बी व सी) नष्ट हो जाते हैं।
- विसन्दूषण के बाद स्वास्थकर्मी को दूषित वस्तुओं के रखरखाव से कोई खतरा नहीं होता।
- प्रयोग के तुरन्त बाद सभी औजार, दस्ताने तथा नुकीली वस्तुओं को 0.5 प्रतिशत क्लोरीन घोल में 10 मिनट तक डुबोकर साफ पानी से अच्छी तरह धो ले।
- प्रक्रिया करते समय हमेशा मोटे रबर के दस्ताने पहनें।

0.5 प्रतिशत क्लोरीन घोल बनाना

क्लोरीन घोल प्रत्येक दिन कार्य दिवस के आरम्भ में बनाना चाहिये

जब भी घोल गन्दा लगने लगे या अगले दिन उसे बदल देना चाहिये।

0.5 प्रतिशत क्लोरीन घोल बनाना :

- एक प्लास्टिक के बर्तन में एक लीटर पानी में 15 ग्राम (तीन चाय के चम्मच) या 10 लीटर पानी में 150 ग्राम (30 चाय के चम्मच) ब्लीचिंग पाउडर मिलायें।
- सारे पानी में घोलने से पहले थोडे पानी में ब्लीचिंग पाउडर का पेस्ट बना लें।
- क्लोरीन घोल बनाते समय मोटे रबर के दस्ताने अवश्य पहनें।
- ब्लीचिंग पाउडर सूखा होना चाहिये।

साफ करना

सफाई द्वारा रक्त तथा अन्य चिपके हुए पदार्थ साफ किये जाते हैं

- विसन्दूषण करने के बाद औजारों को टूथ–ब्रश तथा डिटरजेन्ट व पानी की सहायता से उसकी सभी सतहों को रगड कर साफ करें।
- हाथ धोने वाला साबुन सफाई करने के लिए प्रयोग में न लाए।
- सभी वस्तुएं अच्छी तरह साफ करके साफ पानी से धो लें।
- सफाई करते समय मोटे रबर के दस्ताने अवश्य पहनें।

औजारों को साफ करना

औजारों को पानी के अन्दर रख कर साफ करें।

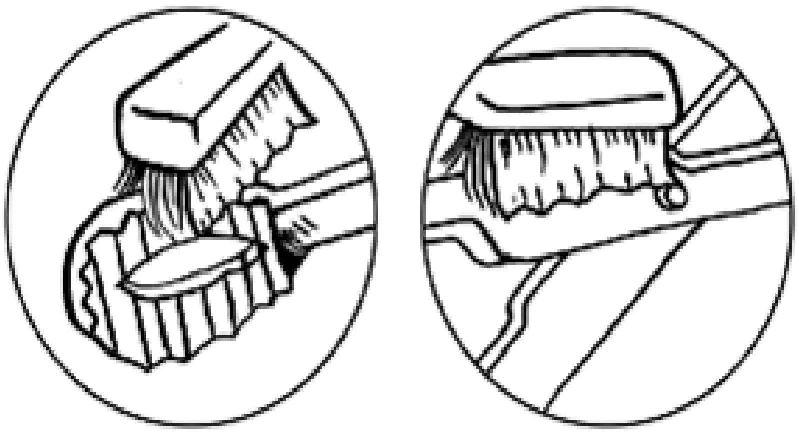

(औजारों) को स्वच्छ करने के लिये, टूथ–ब्रश से रगड कर साफ करें।

स्टैरिलाइजेशन

स्टैरिलाइजेशन, औजारों या अन्य दोबारा प्रयोग में आने वाली वस्तुओं को तैयार करने का श्रेष्ठ उपाय है, क्योंकि इससे सभी सूक्ष्म कीटाणु नष्ट हो जाते हैं।

दो विधियां जो भारत में प्रयोग की जा रही हैं –

- ऑटोक्लेविंग दबाव पर भाप द्वारा
- रसायन में डुबोकर।

भाप द्वारा स्टैरिलाइजेशन –(ऑटोक्लेविंग)

- औजारों को लपेट कर या बिना लपेटे ड्रम में खुला–खुला रखें।
- सभी वस्तुओं को ऐसा लगाये कि भाप सभी सतहों तक जा सके।
- समय की गणना तब तक न करें, जब तक सही दबाव न आ जाये।
- लिपटी हुई वस्तुओ को ऑटोक्लेव से निकालने से पहले ठण्डा होने व सूखने दें।

भाप द्वारा स्टैरिलाइजेशन –(ऑटोक्लेविंग)

- दबाव : 15 पाउन्ड
- तापमान : 121^{0}से0
- बिना लिपटे : समय : 20 मिनट
- लिपटे हुए : समय : 30 मिनट

रसायन में डुबोकर स्टैरिलाइजेशन

- रसायन – साइडेक्स (2 प्रतिशत ग्लूटारएल्डिहाइड) का प्रयोग स्टैरिलाइजेशन के लिये करते हैं।
- इसे कई बार प्रयोग किया जा सकता है, परन्तु 14 दिन बाद प्रयोग किया हुआ पूरा घोल फेंक दें।
- सभी औजारों के जबड़े तथा जोड खोल कर रखें।
- औजारों को घोल में पूरी तरह डुबोएं।
- साइडेक्स से निकाल कर स्टैरिलाइज्ड पानी से अच्छी तरह धोऐं।
- समय 10 घन्टे

उच्च कोटि विसंक्रमण – (हाई लेवल डिसइन्फेक्शन)

- एच.एल.डी. से सभी सूक्ष्म कीटाणु नष्ट हो जाते हैं परन्तु कुछ कीटाणुओं के बीजाणु नहीं मरते।
- यह स्टैरिलाइजेशन उपलब्ध न होने पर उसके विकल्प के रूप में है।
- एच.एल.डी. दो विधियों से किय जा सकता है।
- उबाल कर
- रसायन द्वारा।

उच्च कोटि विसंक्रमण के उपाय

उबाल कर उच्च कोटि विसंक्रमण

- सभी औजार व अन्य सामान एक ढक्कनदार बर्तन में रखें ।
- उन्हें पानी में पूरा डूबो दें।
- समय की गणना जब पानी उबलने लगे तब से करें।
- एक बार गणना आरम्भ करने के बाद पानी में कुछ मिलाएं।
- जब वस्तुएं पानी से निकाले तब भी पानी उबलते रहना चाहिये।

रसायन द्वारा उच्च कोटि विसंक्रमण

- उच्च कोटि विसंक्रमण के लिये साइडेक्स या 0.5 प्रतिशत कलोरीन घोल प्रयोग किया जा सकता है।
- सभी सामान रसायन में पूरी तरह डुबोएं ।
- उसमें बीच में, समय गणना आरम्भ होने पर कुछ न मिलायें।
- 20 मिनट तक उबाले गये पानी से अच्छी तरह धोएँ।

भाप द्वारा उच्च कोटि विसंक्रमण

URBAN HEALTH INITIATIVE
शहरी स्वास्थ्य परियोजना

गर्म करके स्टैरिलाइजेशन

तापमान	समय
170 ° सें0	60 मिनट
160° सें0	120 मिनट
150° सें0	150 मिनट
140° सें0	180 मिनट

औजारों की तैयारी की प्रक्रिया, कितनी प्रभावी

प्रक्रिया	प्रभावी	समय
विसंन्दूषण (डीकन्टेमिनेशन)	एच.आई.वी. हिपेटाइटिस बी व सी नष्ट होतें हैं	10 मिनट
सफाई केवल पानी से	50 : तक	सभी सतहें साफ दिखाई दें
सफाई पानी व डिटरजेन्ट के धोल से	80 : तक	सभी सतहें साफ दिखाई दें
स्टैरिलाइजेशन	100 :	भाप द्वारा, 30 मिनट, रसायन में डुबोकर, 10 धन्टें
उच्चकोटि विसंक्रमण	95: तक कीटाणुओं के बीजाणु नहीं	उबाल कर या रसायन में डुबोकर, 20 मिनट

स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण निवारण

शल्य कक्ष में संक्रमण निवारण व सुरक्षित उपाय अपनाना

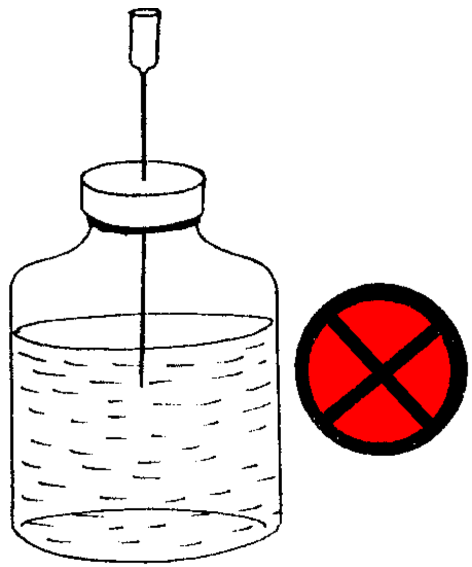

लाभार्थी तथा शल्य कक्ष कर्मियों के लिए पोशाक

- शल्य क्रिया से पहले लाभार्थी को स्वच्छ कपड़े (गाउन) पहनने चाहिए।
- शल्य कक्ष के कर्मचारियों (सफाई कर्मचारियों सहित) को कपड़े बदल कर स्वच्छ गाउन, टोपी तथा मास्क, शल्य कक्ष में प्रवेश करने से पहले पहनने चाहिए।
- मास्क से नाक, चेहरे का निचला हिस्सा जबड़े तथा चेहरे के बालों को पूरी तरह ढकें।
- टोपी से बालों को पूरी तरह ढकें।

लाभार्थी तथा शल्य कक्ष कर्मियों के लिए पोशाक

- आंखों के बचाव के लिए चश्मा पहने।
- व्यक्तिगत जूते बदल कर केवल शल्य कक्ष में प्रयोग होने वाले जूते पहनें।
- नंगे पांव, खुले चप्पल या सेंडल सही नहीं हैं क्योंकि उनसे चोट लगने पर संक्रमण का खतरा बना रहता है।
- शल्य कक्ष कर्मचारी तथा अन्य व्यक्ति जो शल्य कक्ष में प्रवेश करें हैं अगर बीमार हैं (जैसे जुकाम, फ्लू), संक्रामक या खुले हुए भाग में चोट, घाव (चेहरा, बाजू, हाथ व पंजे) हो तो एसे व्यक्ति को शल्य कक्ष के बाहर अन्य कार्य सौंप देना चाहिए, जब तक वह ठीक न हो।

स्टैराइल वातावरण बनाना व बनाए रखना

- स्टैराइल जगहों पर कोई भी दूषित चीज न रखें।
- सब वस्तुओं को खोलते व ले जाते समय उन्हें दूषित न होने दें।
- कमर से या मेज से नीचे की सभी वस्तुओं को दूषित समझें।
- स्टैराइल वस्तुओं के साथ दूषित सतहों की तरफ न जाये तथा यदि दूषित है तो स्टैराइल सतहों की तरफ न जाये।

गाउन का चित्र में दिखाये गये हल्के रंग का हिस्सा ही स्टैराइल माना जाता है।

स्टैराइल हिस्सा

चल्य क्रिया के लिये लाभार्थी के शरीर के भाग की तैयारी

- शरीर के भाग की हजामत की आवश्यकता नहीं है। यदि आवश्यक हो तो बालों को कैंची से काट कर छोटा कर दें।
- शरीर के भाग को साबुन पानी से धोकर साफ करें।
- चीरा लगाने से पहले, भाग को एन्टिसेप्टिक से साफ कर लें।

- जब एन्टिसेप्टिक से साफ करें तो चीरे की जगह के बीच से आरम्भ कर गोलाकार बाहर की तरफ जाये। स्वाब को बाहर से अन्दर की तरफ न ले जाये।

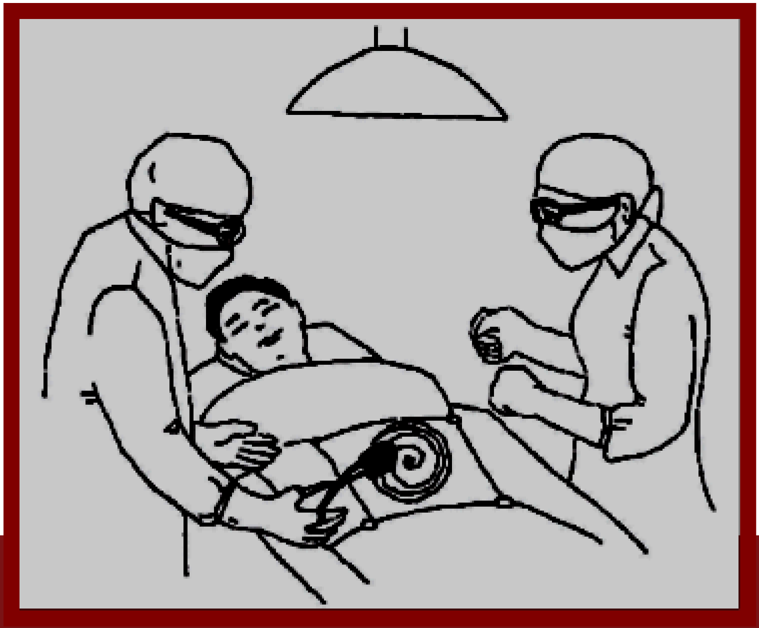

चल्य कक्ष में आवागमन

- शल्य क्रिया के समय लोगों की संख्या व उनका आवागमन कम से कम रखें।
- दरवाजे बन्द रखें जिससे अनावश्यक व्यक्ति न आये तथा आवागमन कम हो।
- साफ व दूषित वस्तुओं को अलग रखें।
- लाभार्थी शल्य कक्ष में प्रवेश कर, शल्य मेज पर बिना उस क्षेत्र में होकर जाये जहां स्टैरिलाइज्ड या एच.एल.डी. औजार लगे हुए हैं।

मल्टीडोज वायल (अनेक खुराक वाली इन्जेक्शन की शीशी)

- प्रयोग से पहले अल्कोहल स्वाब से वायल के ढक्कन को पीछे।
- मल्टीडोज वायल से औषधी निकालने के लिये के लिये एक ही सुई का बार–बार प्रयोग न करें
- वायल के रबर के ढक्कन में सुई लगा कर न रखें।

- प्रत्येक इन्जेक्शन के लिये नई सुई व सिरिन्ज, जो तैयार की हुई हो प्रयोग करे

- दवाई की वायल को उबाले या ऑटोक्लेव न करे।

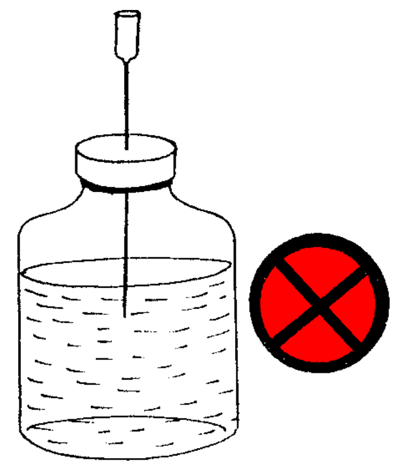

नुकीली वस्तुओं के प्रयोग में सावधानी

- अतः सभी नुकीली वस्तुओं के प्रयोग में सावधानी रखे तथा उन्हें अन्य वस्तुओं से अलग रखें (शल्य क्रिया तथा सामान तैयार करते हुए विशेङ्कतः विसंदूषण तथा स्वच्छ करते हुए)।

- शल्य क्रिया के समय सभी नुकीली वस्तुएं किडनी बेसिन या ट्रे में रख कर दें।

- एम्प्यूल सावधानी से काटें, किसी को चोट न लगाएं।
- कांच को हाथ से न तोड़ें।

नुकीली वस्तुओं का प्रयोग

- प्रयोग की हुई इन्जेक्शन सुई पर ढक्कन न लगायें।
- उसे तोडे मोडे नहीं।
- नुकीली वस्तुओं का निस्तारण पंक्चर–प्रूफ बाक्स में करें।

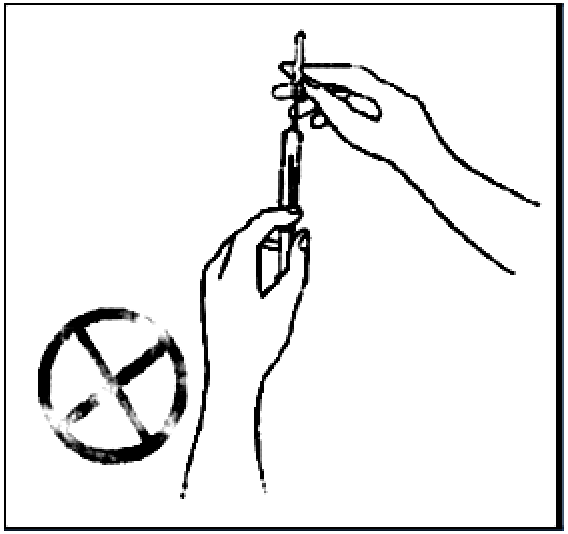

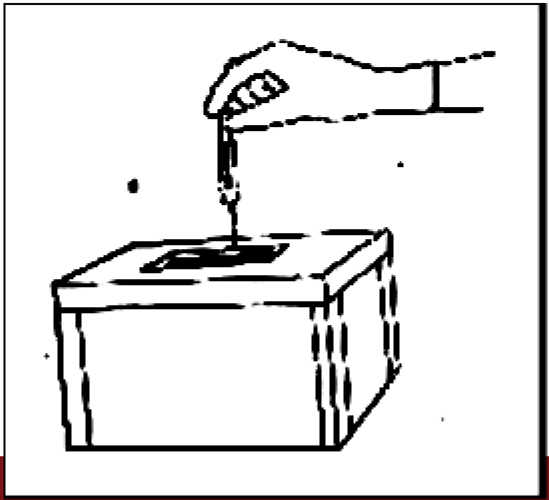

ढक्कन लगानें की "एक हाथ की विधि"

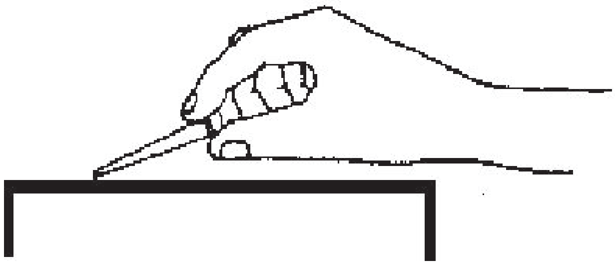

चरण 1 ऽ इन्जेक्शन की सुई के ढक्कन को सख्त सतह पर रखें।

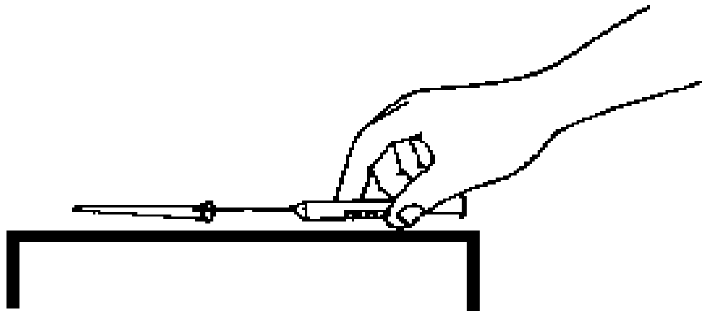

चरण 2ऽ एक हाथ से सिरिन्ज पकडे तथा सुई को ढक्कन में डाल कर ढक्कन को सुई से उठा ले।

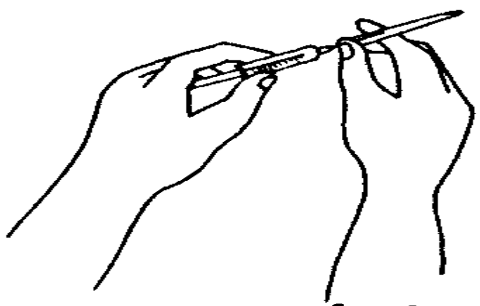

चरण 3 ऽ जब ढक्कन सुई की नोक को ढक ले तो दूसरे हाथ से ढक्कन ठीक से बन्द कर दे।

स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण निवारण
कचरें/कूडें का नियन्त्रण व निस्तारण

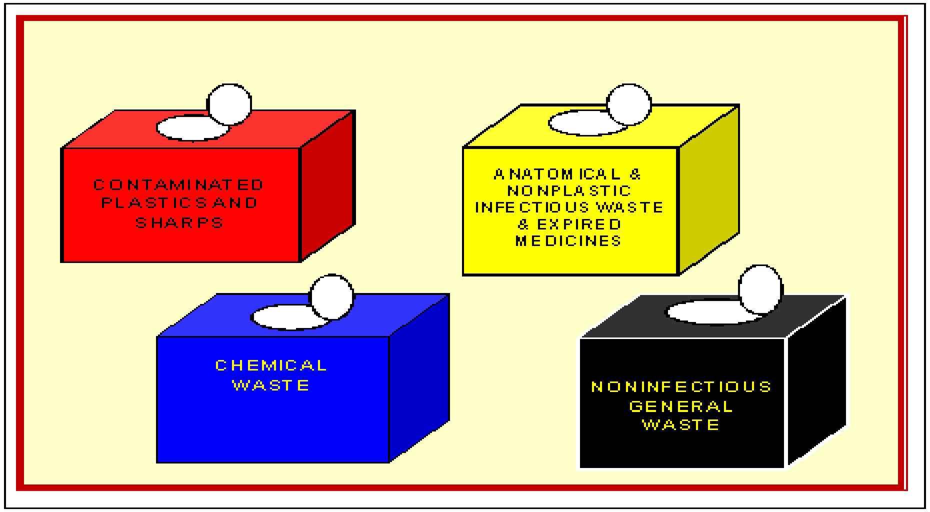

कचरे कूडे का निस्तारण

स्वास्थ्य सेवा केन्द्र में तीन प्रकार की गन्दगी होती है।

1. सामान्य गन्दगी – जैसे कागज, बोतले, खाने की सामग्री, या अन्य वस्तुएं जो घरेलू गन्दगी की तरह होती है। तथा खतरनाक नहीं होती।

2. चिकित्सकीय गन्दगी – नुकीली वस्तुएं, रक्त या शारीरिक श्राव, या उनसे दूषित पदार्थ जैसे पट्टियां, रूई आदि। इनसे संक्रमण का खतरा होता है।

3. खतरनाक रासायनिक गन्दगी – जो जहरीली व नुकसानदेह हो सकती है जैसे सफाई के पदार्थ, विसंक्रामक जैसे साइडेक्स।

कचरें / कूडें का नियन्त्रण व निस्तारण के चरण

चरण 1 — छांटना

चरण २ — संग्रह व भण्डारण

चरण ३ — ढुलाई

चरण ४ — उपचार व निस्तारण

छांटना

- सदा कचरे/ कूड़े को संक्रमित और असंक्रमित में छांटने की प्रक्रिया उसके सृजन के साथ शुरू करें।
- संक्रमित कचरा/ कूड़ा –
- अ– नुकीली चीजें– नीडिल, ब्लैड, टूटे कांच को सफेद/नीली छिद्र अभेद्य पात्र

  में डालें
- ब– गैर नुकीली वस्तुएं , संक्रमित प्लास्टिक, सिरिंज, पट्टी, रूई, दस्ताने, मास्क, खून की थैली, मूत्र थैली को लाल डिब्बे या थैले में डालें।
- स– शारीरिक कचरा/ कूड़ा – नाल, शरीर के भाग आदि को पीले प्लास्टिक थैले एवं डिब्बे में डालें।
- द – गैर संक्रमित कचरा/ कूड़ा – इन्हें काले/डिब्बे में डालें।

कचरे / कूड़े को छांटना

CONTAMINATED PLASTICS AND SHARPS

ANATOMICAL & NONPLASTIC INFECTIOUS WASTE & EXPIRED MEDICINES

CHEMICAL WASTE

NONINFECTIOUS GENERAL WASTE

कचरे/ कूड़े का संग्रहण और भण्डारण–

करें–

- कचरे/ कूड़े को ढके हुए डिब्बों में संग्रहित करें।
- डिब्बों को 3/4 (तीन चौथाई) स्तर तक ही भरें।
- डिब्बों की डिसइन्फैक्टेन्ट (कीटाणुनाशक) से नियमित धुलाई करें।

न करें–

- डिब्बों को ऊपर तक न भरें।
- संक्रमित और गैर संक्रमित कचरा/ कूड़ा एक जगह संग्रहित न करें।
- कचरे/ कूड़े को 48 घण्टे से ज्यादा भण्डारण न करें।

कचरे / कूड़े का संग्रहण और भण्डारण

डिब्बों को ऊपर तक न भरें।

डिब्बों को 3/4 (तीन चौथाई) स्तर तक ही भरें।

कचरे/ कूड़े की ढलाई

करें–

- कचरे/ कूड़े की ढलाई बन्द डिब्बों में करें।
- ढलाई में काम आने वाले डिब्बे, ट्रॉली, गाड़ी अलग चिन्हित कर लें।
- एक निश्चित रास्ते से ही कचरे/ कूड़े की ढलाई करें।

न करें–

- कभी खुले पात्र में कचरे/ कूड़े की ढलाई न करें। इससे संक्रमण फैल सकता है।
- भीड–भाड वाली जगह से अपशिष्ट की ढलाई न करें।

कचरे / कूड़े की ढ़लाई

भीड़- वाली जगह से अपशिष्ट की ढुलाई न करें।

बन्द पात्र में कचरे/ कूड़े की ढुलाई करें।

कचरे/ कूड़े का उपचार और निस्तारण

करें –

- कचरे/ कूड़े को अंतिम निस्तारण से पहले डिसइन्फेक्ट करें और नष्ट कर दें।
- इन बातों का ध्यान रखें।
  - – शारीरिक कचरे/ कूड़े को जलाएं या गाड़ें।
  - – सिरिंज को काटें, रसायनों से डिस्इन्फेक्ट करें और बलीचिंग पाउडर में डालने के बाद अंतिम निस्तारण करें।

संक्रमित प्लास्टिक को भी डिस्इन्फेक्ट करें और ऑटो क्लेव करके छोटे टुकड़ों में काटें।

सामान्य कचरे/ कूड़े को स्थानीय निगम के कचरागाह में फेंके।

न करें–

कभी संक्रमित कचरे/ कूडे को बिना ट्रीटमेन्ट के सामान्य कचरे/ कूडे के साथ न फेंके।

डिस्पोजेबल सिरिंज का निस्तारण

- सिरिंज निडिल इस्तेमाल करते समय दस्ताने पहनें।
- नीडिल को मजबूत, छिद्र अभेद्य पात्र में एकत्रित करें।
- डिस्इन्फेक्ट करने से पहले सिरिंज की नोक को काटें।
- नीडिल को नष्ट करने के बाद उसे 0.5 प्रतिशत ब्लीचिंग पाउडर के घोल में 1 घण्टे रखकर संक्रमण हटाएं।
- डिस्इन्फेक्ट करने के बाद नीडिल को छिद्र अभेद्य पात्र में एकत्रित करें।
- अंतिम निस्तारण सामान्य कचरे की तरह या रीसाइकिल से करें।

डिस्पोजेबल सिरिंज का निस्तारण

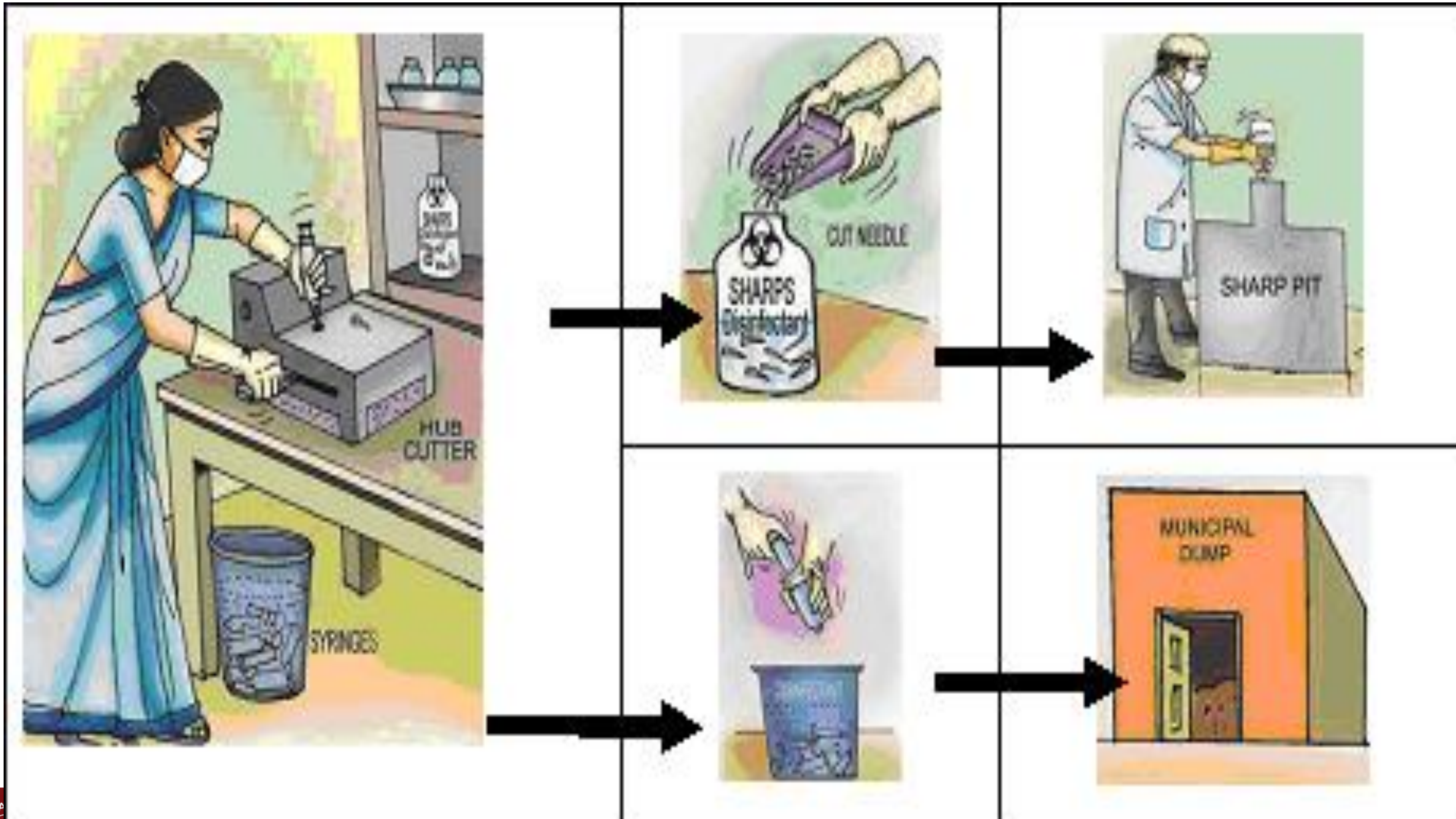

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1626] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 24, 2011/भाद्र 2, 1933

No. 1626] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 24, 2011/BHADRA 2, 1933

पर्यावरण और वन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 2011

अनुसूची 1
जैवीय कचरे/कूडे
(निस्तारण एवं कार्य) नियम 2011

कैटेगरी (वर्ग / प्रकार) कचरा/ कूडा

कचरा/ कूडा कैटेगरी संख्या 1

मानवीय शारीरिक कचरा/कूडा

(मानवीय उत्तक, अंग, शरीर के अवयव)

कचरा/ कूडा कैटेगरी संख्या 2

पशु कचरा/ कूडा

पशु उतक, अंग, शरीर के अवयव, मृत शरीर, रक्त, द्रव, अनुसन्धान में प्रयुक्त प्रयोगात्मक पशु, पशु अस्पतालो/ विद्यालयों द्वारा उत्पन्न कचरा, पशु गृहों से स्राव

कचरा/ कूडा कैटेगरी संख्या 3
माइक्रो बायोलोजी व बायोटेक्नोलोजी कचरा नैदानिक नमूनें, रोग विज्ञान जैव रसायन, रुधिर विज्ञान, रक्त बैक, प्रयोगशाला संबधी (लैबोरेट्री कल्चर का कचरा/ कूडा, वैक्सीन, मानव व पशु सेल कल्चर, ओद्योगिक प्रयोगशालाओं से संकामक कचरा/ कूडा, जैविक जीव विड्डों के हस्तांतरण हेतु प्रयुक्त यंत्रों के उत्पादन का कचरा/ कूडा

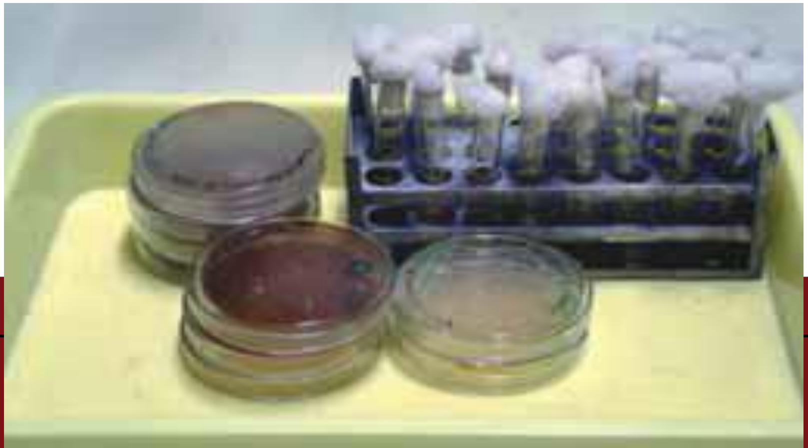

कचरा/ कूडा कैटेगरी संख्या 4
नुकीला कचरा/ कूडा (सूइयां, शीशे की सिरिंज या सूई लगी सिरिंज स्कैल्पल, ब्लैड, काँच सब चीजें जिनसे चीरा लग सके या जो चुभ सकें) इसमें प्रयोग की गई व प्रयोग न की गई दोनो प्रकार की नुकीली सामग्री सम्मिलित हैं

कचरा/ कूडा कैटेगरी संख्या 5
बेकार हुई दवाएं व साइटोटोक्सिक दवाएं (ऐसी दवाएं जिनकी समयावधि निकल गई है तथा जो बेकार और संक्रमित हो गई है)

कचरा/ कूडा कैटेगरी संख्या 6
ठोस संदूष्ति कचरा/ कूडा (रुई ड्रेसिंग, ठोस प्लास्टर कास्ट कपडो सहित रक्त से संदूष्ति सामग्रियां और अन्य शारीरिक द्रव व रक्त से संदूष्ति सामग्री

कचरा/ कूडा कैटेगरी संख्या 7
संक्रामक ठोस कचरा / कूडा (नुकीली वस्तुओं के अलावा ट्यूबिंग, दस्तानें, आई.वी.सेट वाली सलाइन बोतल कैथिटर आई.वी.सेट जैसा डिस्पोजेबल दूष्ति सामग्री)

कचरा/ कूडा कैटेगरी संख्या 8
रासायनिक कचरा/कूडा (जैविकीय सामग्रियों में प्रयुक्त रसायन विसक्रमण में प्रयुक्त रसायन जैसे कीटनाशक आदि)

URBAN HEALTH INITIATIVE
शहरी स्वास्थ्य परियोजना

कैटेगरी संख्या 1

कचरा/ कूडा वर्ग (प्रकार)	निस्तारण
मानवीय शारीरिक कचरा/ कूडा (मानवीय उत्तक, अंग, शरी अवयव)	भस्मीकरण प्दबपदमतंजपवद

कैटेगरी संख्या 2

कचरा/ कूडा वर्ग (प्रकार)	निस्तारण
पशु कचरा/ कूडा	भस्मीकरण प्दबपदमतंजपवद

कैटेगरी संख्या 3

कचरा/ कूडा	उपचार और निस्तारण के विकल्प
माइक्रो बायोलोजी और बायोटेक्नोलोजी कचरा/ कूडा,	रासायनिक उपचार स्रोत पर या ऑटोक्ल माइक्रोवेविग से **विसंक्रमण के पश्चात म्यूटिलेशन थ्रैडिग** और उपचार के पश्च सुरक्षित खत्ते में अन्तिम निस्तारण या पंजीकश्त या अधीकृत रीसाईकिल करने वालो के माध्यम से **रीसाईकिल** हो सकने वाले प्लास्टिक या कांच की रीसाईकिलिग

कैटेगरी संख्या 4

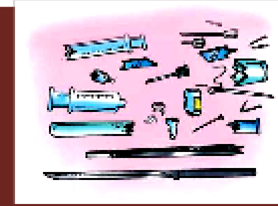

वर्ग	उपचार और निस्तारण के विकल्प
नुकीला कचरा/कूडा	रासायनिक उपचार से विसंक्रमण के पश्चात या नीडिल व टिपकटर से काट कर ऑटोक्लेव माइक्रोवेविग से विसंक्रमण के पश्चात प्राधिकृत सीबीडब्लूटीएफ के माध्यम से निस्तारण या सुरक्षित खत्ते में या अधीकृत कंकीट शार्प पिट में अन्तिम निस्तारण

कैटेगरी संख्या 5

कचरा/ कूडा वर्ग	निस्तारण
बेकार हुई दवाएं व साइटोटोक्सिक दवाएं	सुरक्षित खत्ते में निस्तारण या भस्मीकरण प्दबपदमतंजपवद

कैटेगरी संख्या 6

कचरा/ कूडा वर्ग (प्रकार)	उपचार और निस्तारण
ठोस संदूष्ढित कचरा/ कूडा	भस्मीकरण प्‍दबपदमतंजपवद

कैटेगरी संख्या 7

कचरा/ कूडा वर्ग (प्रकार)	उपचार और निस्तारण
संक्रामक ठोस कचरा/ कूडा (नुकीली वस्तुओं के अलावा)	स्रोत पर ही रासायनिक उपचार से या ऑटोक्लेविग माइक्रोवेविग से विसंक्रमण के पश्चात म्यूटिलेशन थ्रैडिग और उपचार के पश्चात पंजीकश्त या अधीकृत रीसाईकिल करने वालो के माध्यम से अन्तिम निस्तारण

कैटेगरी संख्या 8

कचरा/ कूडा वर्ग	उपचार और निस्तारण
रासायनिक कचरा/ कूडा	इन नियमों के अधीन अधिसूचित मानको को पूरा कर रासायनिक उपचार करके नालों में बहाना और ठोस पदार्थ को सुरक्षित खत्ते में अन्तिम निस्तारण

कैटेगरी नगरीय कचरा/ कूडा

कचरा/ कूडा वर्ग (प्रकार)	उपचार और निस्तारण
नगरीय कचरा/ कूडा	म्यूनिसिपिल कचरे के साथ

जैवीय कचरे/ कूडे (निस्तारण एवं कार्य) नियम 2011

कलर कोडिंग	कन्टेनर का प्रकार	कैटेगरी नम्बर	निस्तारण के विकल्प
पीला	गैरक्लोरीनीकृत प्लास्टिक बैग	1, 2, 5, 6	भस्मीकरण
लाल	गैरक्लोरीनीकृत प्लास्टिक बैग/ नुकीली वस्तुओं हेतु पक्चरमुक्त कन्टेनर	3, 4, 7	अनुसूची 1 के अनुसार नियम 7
नीला	गैरक्लोरीनीकृत प्लास्टिक बैग / कन्टेनर	8	
काला	गैरक्लोरीनीकृत प्लास्टिक बैग	नगरीय कचरा	जमीन भरने के साइट

- कैटेगरी 3 4 7 8 के विसंक्रमण के लिये कम से कम 1: हाइपोक्लोराइड घोल या अन्य रासायनिक के प्रयोग से रासायनिक उपचार । यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि रासायनिक उपचार से विसंक्रमण सुनिश्चित हो।

कैटेगरी 3 4 7 8 के विसंक्रमण के लिये

हाइपोक्लोराइड घोल : 150 ग्राम ब्लीचिग पाउडर को 10 लीटर पानी में घोलें

हाइपोक्लोराइड घोल में 60 मिनट रासायनिक उपचार ।

कैटेगरी 3 4 7 8 के विसंक्रमण के लिये

- 15 पाउंड दबाब पर 60 मिनट ऑटोक्लेव करें

ञकैटेगरी 3 4 की य्टिलेशन थ्रैडिग इस प्रकार होनी चाहिये कि अप्राधिकश्त पुनः प्रयोग को रोका जा सके।

कैटेगरी 1 2 5 6 के भस्मीकरण से पूर्व कोई रासायनिक उपचार नही होगा ।

তक्लोरीनीकृत प्लास्टिक / थैलों का भस्मीकरण नही किया जायेगा।

प्रयोगाशाला धुलाई सफाई हाउस कीपिग और विसंक्रमण कार्य कलापों से उत्पन्न द्रव कचरे/ कूडे का उपचार इस प्रकार किया जाएगा कि जिससे अधीन अनुबन्ध मानको को पूरा किया जा सके।

भस्मीकरण राख का (किसी भी जैविक चिकित्सकीय कचरे/ कूडे के भस्मीकरण की राख में) यदि विहित सीमा से अधिक मात्रा में विड्डाक्त या सकंटमय अवयव मौजूद हैं तो इसका निस्तारण सुरक्षित खत्ते में माध्यम से किया जायेगा जैसा कि नियम 2008 में दिया गया है।

Don'ts

1. **Do not generate waste unnecessary e.g. avoid injection by prescribing oral medicines.**
2. **Never mix infectious and non – infectious waste**
3. **Never overfill the bins.**
4. **Never store waste beyond 48 hrs.**
5. **Avoid transport of waste through crowded areas.**

Don’ts

1. There should not be any spillage on the way of transport.
2. Do not throw infectious waste into general waste without any pre- treatment and mutilation.
3. Don’t dispose the body part into deep burial
4. Don’t dispose the solid waste (plastic) and sharp waste without mutilation and disinfection.